चार साल में यूपी की अर्थव्यवस्था में नौ लाख करोड़ रुपये का इजाफा

सीएम बोले- दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था के लिए प्रदेश सही राह पर, दोगुनी करनी होगी रफ्तार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। दस खरब डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश बिल्कुल सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। जरूरत केवल रफ्तार दोगुनी करने की है। सही फैसलों का ही परिणाम है कि वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच महज चार साल में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 16.45 लाख करोड़ से बढ़कर 25.48 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यानी सिर्फ चार साल में जीडीपी नौ लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। सोमवार को प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन बातों के साथ कई निर्देश दिए।

सीएम ने यूपी को दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के संकल्प की दिशा में जारी प्रयासों, परिणामों और भावी नीति पर चर्चा की। नियोजन विभाग की बैठक में प्रमुख सचिव आलोक कुमार और कंसल्टिंग एजेंसी डेलॉयट इंडिया ने प्रदेश के आर्थिक परिवेश की वर्तमान स्थिति और परिणाम व उद्योग जगत की अपेक्षाओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आय में यूपी 9.2 फीसदी का योगदान कर रहा है। देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। वर्ष 2021-22 में प्रचलित भावों पर यूपी की वृद्धि दर 20.1% रही, जबकि स्थायी भाव पर 9.8% रही। इसी प्रकार वर्ष 2023-24 में स्थायी भाव पर प्रदेश में 8% की वृद्धि दर दर्ज की गई और प्रचलित भाव पर 12.8% वृद्धि दर रही। वर्ष 2021-22 से 2023-24 के बीच प्रदेश का कम्पाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) लगभग 15.7% दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 तक दस खरब डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य पूरा करने के लिए अगले तीन वर्ष में अपनी वृद्धि दर को दोगुने से अधिक बढ़ाना होगा। उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे सभी 75 जिलों में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 2023-24 में दलहन उत्पादन में 9.2%, मूंगफली में 28.8 % और दुग्ध उत्पादन में 11.92% की वृद्धि देखी गई है।

अर्थव्यवस्था को लेकर जारी प्रयासों और परिणामों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

अयोध्या, काशी और वृंदावन में अपार संभावनाएं

सीएम ने कहा कि अयोध्या, काशी और वृंदावन में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने यहां पर्यटकों के आने से स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर अध्ययन के निर्देश दिए। अगले वर्ष प्रयागराज में महाकुंभ में करोड़ों लोग आएंगे। यह पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बड़ा असर डालने वाला होगा। इस पर भी अध्ययन होना चाहिए।

बीमार इकाइयों व खाली जमीनों पर जल्द लें फैसला : सीएम ने कहा कि निवेशकों को परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि की जरूरत होगी। इसके लिए सभी विकास प्राधिकरणों को अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी भूमि जो आवंटित है, पर उपयोग नहीं की जा रही है और बीमार इकाइयों की पहचान कर उसके बारे में तत्काल फैसला लें। जिससे इंडस्ट्रियल क्लस्टर की कार्ययोजना को आगे बढ़ाया जाए।

सीएम ने राजनाथ, शाह व गडकरी से की मुलाकात

मोदी-03 में कैबिनेट मंत्री बनने पर दी शुभकामना

सीएम योगी ने नई दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने केंद्र में फिर सरकार बनने की बधाई दी। -सूचना विभाग

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और सड़क परिवहन मंत्री नीतिन गड़करी से मुलाकात की। भाजपा के ये तीनों बड़े नेताओं ने रविवार को मोदी-03 सरकार में फिर से कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। इसलिए मुख्यमंत्री ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात करके मंत्री बनने की शुभकामनाएं दी है।

लोकसभा चुनाव जीतने के बाद तीनों वरिष्ठ नेताओं से मुख्यमंत्री की यह पहली मुलाकात है। बता दें, पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए योगी रविवार को दिल्ली पहुंचे थे। उधर, मुख्यमंत्री की तीनों मंत्रियों से मुलाकात को लेकर सियासी गलियारों में कयासबाजी शुरू हो गई। हालांकि इसे सिर्फ शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है। ब्यूरो